

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग
संख्या: 671 / VII-1 / 2013 / 75-उद्योग / 2012
देहरादून : दिनांक: 23 अगस्त 2013

अधिसूचना

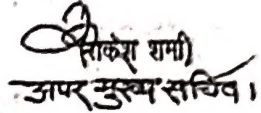
औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 940/औ0वि0/07-उद्योग/2004-05, दिनांक 9/10 नवम्बर, 2004 द्वारा निजी औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नीति-निर्देशों एवं शासनादेश संख्या 387/897-उ0नि0/पीएस/आईडी/06, दिनांक 20 दिसम्बर, 2008 द्वारा मैगा प्रोजेक्ट्स हेतु अधिसूचित भूमि के विशेष औद्योगिक क्षेत्र घोषित किये जाने सम्बन्धी प्राविधानों तथा उद्योग निदेशालय के संस्तुति सम्बन्धी पत्र संख्या 3170/उ0नि0(पांच)-मैगा प्रोजेक्ट/10-11, दिनांक 17 अक्टूबर, 2011 एवं पत्र संख्या 1718/उ0नि0(पांच)-मैगा प्रोजेक्ट/2012-13, दिनांक 19 जुलाई, 2012 के संदर्भ में भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 50/2003-सैन्ड्रल एक्साईज, दिनांक 10.08.2003 के क्रम में जनपद उधमसिंहनगर की तहसील काशीपुर के ग्राम महुवाखेड़ागंज के खसरा संख्या 1068, 1069 एवं 1075 कुल रकबई 1.89 हेक्टेयर अर्थात् 4.670 एकड़ भूमि में मैगा प्रोजेक्ट की स्थापना हेतु मै0 शेख मुल्लन एण्ड सन्स (मैगा प्रोजेक्ट), इण्डस्ट्रियल एरिया, महुवाखेड़ागंज, काशीपुर, जनपद उधमसिंहनगर के पक्ष में निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन विशेष औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 50/2003-सी0ई0, दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure -II में जनपद उधमसिंहनगर के अन्तर्गत भूमि का खसरा संख्या 1068, 1069, 1075 Category-B "Proposed Industrial Area/Estate" के रूप में क्रमांक-8 पर ग्राम महुवाखेड़ागंज, तहसील काशीपुर के सम्मुख स्तम्भ-4 में अधिसूचित है। इस अधिसूचित भूमि पर स्थापित होने वाले प्रस्तावित नये उद्योग को विशेष पैकेज के अन्तर्गत आकर छूट तथा केंद्रीय पूंजी निवेश उपादान सहायता का लाभ अर्हता पूर्ण करने पर अनुमन्य होगा।
2. जी0आई0डी0सी0आर0-2005 में औद्योगिक इकाई के भवन निर्माण के लिए दिये गये मानकों विधियों/उपविधियों व उपबन्ध का पूर्णतः पालन करना होगा।
3. इस विशेष औद्योगिक आस्थान की भूमि, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी द्वारा कय कर अर्जित की गयी है। अतः आस्थान के नियोजित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियम: जी0आई0डी0सी0आर0-2005 के उपबन्धों के अनुरूप आस्थान में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के भवन मानचित्र सक्षम प्राधिकारी उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) से स्वीकृत करायेंगे।
4. इस सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का पूर्णतः पालन करना होगा।
5. विशेष औद्योगिक आस्थान के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास अन्य नागरिक सुविधाओं का दायित्व, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी का होगा। कम्पनी द्वारा आस्थान में उपलब्ध करायी जाने वाली अवस्थापना सुविधाओं तथा अन्य के सम्बन्ध में स्पष्ट सभी सूचनाएँ उपलब्ध करायी जायेंगी।
6. विशेष औद्योगिक आस्थान को विकसित करने के लिए विभिन्न विभागों यथा वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्नि शमन विभाग, उत्तराखण्ड पॉवर कार्पोरेशन आदि से वांछित

विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकतायें अपेक्षित होंगी, वह प्रवर्तक/अवेदक द्वारा स्वयं प्राप्त की जायेंगी।

7. आस्थान के प्रवर्तक द्वारा यह अप्पारेंटिंग लिखित में दी जायेंगी कि आस्थान में उद्योग स्थापना के उपरान्त 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जावेगा।
8. कय की जाने वाली धूनि का उपयोग Manufacture of Cotton Woolen and Silk Carpets other made by hand आदि उत्पादों के विनिर्माण की इकाई के स्थापना हेतु ही किया जावेगा।
8. विशेष औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों, यथा प्रदेश की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयां, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है अथवा जो भारत सरकार की नकारात्मक सूची में सम्मिलित है, की स्थापना नहीं की जावेगी।

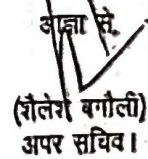
उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा अन्य किसी कारणों से जिसे शासन उचित समझता हो, तत्काल अधिकारी के अनुमोदन से इस अधिसूचना को निरस्त किया जा सकता है।


राजेश शर्मा
अपर मुख्य सचिव।

प्रखान संख्या 67/ (1)/VII-1/2013/75-उद्योग/2012, तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक उद्योग, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, (औ० नीति संवर्धन विभाग) उद्योग भवन, नई दिल्ली।
4. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
5. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
6. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल, देहरादून।
7. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण परिषद, देहरादून।
9. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, उधमसिंहनगर।
10. नैतर्त्त शेख मुल्तन एण्ड सन्स (निगा प्रोजेक्ट), इण्डस्ट्रीयल एरिया, महुवाखेड़ागंज, काशीपुर, जनपद उधमसिंहनगर।
11. गार्ड फाईल।


राजेश शर्मा
(शैलेश बगौली)
अपर सचिव।